काला धन

प्रलिम्सि के लयि:

टैक्स हेवन, राउंड ट्रपिगि, भगोड़ा आर्थकि अपराधी, ट्रांसफर प्राइसगि, व्हसिलब्लोअर, अर्थव्यवस्था पर काले धन का प्रभाव, काले धन के स्रोत, वत्तिीय खुफयिा इकाई, वत्तिीय कार्रवाई टास्क फोरस

मेन्स के लयि:

भारत में काले धन से नपिटना, पनामा की प्रासंगकिता और पैराडाइज़ पेपर लीक

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सरकार ने संसद में कहा है कि वर्ष 2015 के दौरान एकमुश्त तीन महीने की अनुपालन वडिो के तहत कर और जुर्माना के रूप में 2,476 करोड़ रुपए एकत्र कयि गए हैं।

- यह भी कहा गया है कि पिछिले पाँच वर्षों में वदिशी खातों में कतिना **काला धन** पड़ा है, इसका कोई आधकािरकि अनुमान नहीं है।
- पनामा और पैराडाइज़ पेपर लीक में 930 भारत से जुड़ी संस्थाओं के 20,353 करोड़ रुपए के अघोषति क्रेडटि का पता चला है।

प्रमुख बदिु

- ## काला धन:
  - आर्थकि सद्धिांत में काले धन की कोई आधकािरकि परभिाषा नहीं है, काले धन हेतु कई अलग-अलग शब्द जैसे समानांतर अर्थव्यवस्था, काला धन, काला आय, बेहसिाब अर्थव्यवस्था, अवैध अर्थव्यवस्था और अनयिमति अर्थव्यवस्था सभी का कमोबेश समान रूप से उपयोग कयिा जा रहा है।
  - काले धन की सबसे सरल परभिाषा संभवतः वह धन हो सकती है जो कर अधकिारयिों से छपिा हो।
  - वत्ति मंत्रालय द्वारा कयि गए एक गुप्त अध्ययन के अनुसार वर्ष 2014 में नष्किर्ष नकिाला गया कि लगभग 90% बेहसिाब धन भारत के बाहर के बजाय इसके भीतर पड़ा था।
- ## काले धन का स्रोत:
  - यह दो व्यापक श्रेणयिों से आ सकता है:
    - **अवैध गतविधिः**
      - अवैध गतविधि के माध्यम से अर्जति धन स्पष्ट रूप से कर अधकिारयिों को सूचति नहीं कयिा जाता है और इसलयि यह काला धन होता है।
    - **कानूनी लेकनि रपिोर्ट नहीं की गई गतविधिः**
      - दूसरी श्रेणी में कानूनी गतविधि से होने वाली आय शामलि है जसिकी सूचना कर अधकिारयिों को नहीं दी जाती है।

काले धन के स्रोतों के उदाहरण

- **मल्टी लेवल मार्केटगि स्कीम:**

- ऑफशोर बैंकों द्वारा जारी किये गए अंतर्राष्ट्रीय डेबिट या क्रेडिट कार्ड का उपयोग काला धन बनाने के लिये किया जाता है।
- **प्रच्छन्न स्वामित्व:**
  - अपराधी तेज़ी से वैध व्यवसायों के मालिक बनना चाहते हैं। इनका प्रयोग लाभ लेने या अपने काले धन को सफेद करने के लिये किया जा सकता है।
- **मिश्रित बिक्री:**
  - अवैध धन के स्रोतों को वैध स्रोतों के साथ मिलाना एक लोकप्रिय तरीका है क्योंकि इसका पता लगाना मुश्किल है, खासकर अगर कानूनी व्यवसाय में एक बड़ा घटक नकद मुद्रा है।
- **स्मर्फिंग:**
  - इस प्रकार का लेन-देन आमतौर पर एक निश्चित सीमा से ऊपर के लेनदेन की निगरानी करने वाले अधिकारियों द्वारा नोटिस से बचने के लिये किया जाता है।
- **व्यापार मूल्य का गलत निर्धारण:**
  - परंपरागत रूप से मनी लॉन्ड्रिंग के लिये निर्यात और आयात किये गए सामान की कीमत या तो कम या अधिक होती थी।
  - आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (Organization for Economic Cooperation and Development- OECD) का कहना है कि वर्तमान तकनीक के माध्यम से बिल/चालान को संशोधित करना या फिर गलत बिल निर्मित करना आसान है।
- **बेनामी संस्थाओं को धन हस्तांतरण:**
  - बेनामी लेन-देन (Benami Transaction) में, एक संपत्ति को एक व्यक्ति द्वारा हस्तांतरित या धारित किया जाता है और ऐसी संपत्ति के लिये प्रतिफल का भुगतान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया जाता है।

- ## प्रभाव:
  - **राजस्व की हानि:**
    - काला धन कर के एक हिस्से को समाप्त कर देता है और इस प्रकार सरकार का घाटा बढ़ जाता है।
    - सरकार को इस घाटे को करों में वृद्धि, सब्सिडी में कमी और उधार में वृद्धि करके संतुलित करना होता है।
    - उधार लेने से ब्याज के बोझ के कारण सरकार के ऋण में और वृद्धि होती है। अगर सरकार घाटे को संतुलित करने में असमर्थ है, तो उसे खर्च कम करना होगा, जो कि विकास को प्रभावित करता है।
  - **धन संचलन:**
    - आमतौर पर लोग काले धन को सोने के तौर पर, अचल संपत्ति और अन्य गुप्त तरीकों के रूप में रखते हैं।
    - ऐसा पैसा मुख्य अर्थव्यवस्था का हिस्सा नहीं बनता है और इसलिये आमतौर पर प्रचलन से बाहर रहता है।
    - काला धन अमीरों के बीच संचालित होता रहता है और उनके लिये अधिक अवसर पैदा करता है।
  - **उच्च मुद्रास्फीति:**
    - अर्थव्यवस्था में बेहिसाब काला धन होने से मुद्रास्फीति की स्थिति अधिक देखी जाती है, जो गरीबों को सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है।
    - यह अमीर और गरीब के बीच असमानता को भी बढ़ाता है।

- ## सरकार द्वारा की गई पहलें:
  - **विधायी प्रयास:**
    - **भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम-2018**
    - **केंद्रीय वस्तु और सेवा कर अधिनियम, 2017**
    - **बेनामी लेनदेन (निषेध) संशोधन अधिनियम, 2016**
    - **काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) कर अधिरोपण अधिनियम 2015**
    - **धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002**
    - **गोल्ड एमनेस्टी स्कीम:** यह आय कर के मामलों में काले धन का दोहन करने के लिये स्वैच्छिक आय प्रकटीकरण योजना के समान है।
  - **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग**
    - **दोहरा कराधान अपवंचन समझौता (DTAA)**
      - भारत दोहरे कराधान से बचाव के लिये सूचनाओं के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से दोहरा कराधान अपवंचन समझौते/कर सूचना विनिमय समझौतों/बहुपक्षीय सम्मेलनों के तहत विदेशी सरकारों के साथ सक्रिय रूप से वार्ता कर रहा है।
    - **सूचना का स्वचालित आदान-प्रदान:**
      - भारत वित्तीय सूचना के सक्रिय साझाकरण के लिये 'ऑटोमेटिक एक्सचेंज ऑफ इनफार्मेशन' नाम से एक बहुपक्षीय

व्यवस्था स्थापति करने की दशिा में अग्रणी रहा है, जो कर चोरी से नपिटने के वैश्वकि प्रयासों में सहायता करेगा।
- सामान्य रपिोर्टगि मानक पर आधारति 'ऑटोमेटकि एक्सचेंज ऑफ इनफार्मेशन' व्यवस्था वर्ष 2017 से शुरू है, जसिसे भारत अन्य देशों में भारतीय नविासियों के वत्तिीय खाते की जानकारी प्राप्त कर सकता है।

- **संयुक्त राज्य अमेरका का वदिेशी खाता कर अनुपालन अधनियिम:**
  - भारत ने इस अधनियिम के तहत संयुक्त राज्य अमेरका के साथ सूचना साझा करने हेतु समझौता कयिा है।
- **फाइनेंशयिल एक्शन टास्क फोर्स (FATF):**
  - भारत FATF का सदस्य है।

आगे की राह

- देश में सार्वजनकि खरीद, वदिेशी अधकिारियों द्वारा ली जाने वाली रश्वित की रोकथाम, नागरकि शकियत नवािरण, सूचना प्रदाता (व्हसिलब्लोअर) सुरक्षा, यूआईडी आधार से संबंधति उपयुक्त वधिायी ढाँचे की आवश्यकता है।
- **अवैध धन से नपिटने वाली संस्थाओं की स्थापना और उनका सुदृढ़ीकरण:** सूचना के आदान-प्रदान के लयि आपराधकि जाँच प्रकोष्ठ नदिेशालय, मॉरीशस और सगिापुर में आयकर वदिेशी इकाइयाँ (ITOUs), CBDT के तहत वदिेशी कर, कर अनुसंधान एवं जाँच प्रभाग को मज़बूत करने में बहुत उपयोगी रहे हैं।
- **चुनाव सुधार:** काले धन के उपयोग के लयि चुनाव सबसे बड़े चैनलों में से एक है, ऐसे में चुनावों में धन-बल को कम करने के लयि उचति सुधार की आवश्यकता है।
- **कार्मकि प्रशकि्षण:** वशिषि्ट क्षेत्रों में प्रभावी कार्रवाई के लयि कर्मयिों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रशकि्षण प्रदान कयिा जा सकता है।
  - उदाहरण के लयि वत्तिीय आसूचना इकाई-भारत (Financial Intelligence Unit-India) अपने कर्मचारियों को धनशोधन रोधी, आतंकवादी वत्तिपोषण और संबंधति आर्थकि मुद्दों पर प्रशकि्षण के अवसर प्रदान कर उनके कौशल को नयिमति रूप से उन्नत करने हेतु सक्रयि प्रयास करती है।
- **बैंक लेनदेन को प्रोत्साहति करना:** काले धन के खतरे को रोकने के लयि उद्योग नकिाय 'फेडरेशन ऑफ इंडयिन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' ने बैंकगि चैनलों के माध्यम से लेनदेन को प्रोत्साहति करने और कृषि आय पर कराधान के लयि एक उपयुक्त ढाँचे का सुझाव दयिा है।
  - इसके अलावा इसने अचल संपत्ति क्षेत्र में सुधार और कर चोरी को ट्रैक करने के लयि आईटी बुनयिादी ढाँचे के नरि्माण का भी सुझाव दयिा है।

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/black-money-3